# UP Board Notes Class 8 Hindi Chapter 19 रामकृष्ण परमहंस (महान व्यक्तित्व)

### पाठ का सारांश

रामकृष्ण परमहंस का जन्म 18 फरवरी, 1836 को बंगाल प्रांत के एक छोटे से गाँव कामरपुकुर में एक निर्धन परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम खुदीराम तथा माता का नाम चंद्रमणि था। इनके बचपन का नाम गदाधर था। इनमें बचपन से ईश्वर के प्रति अटूट आस्था, अपार श्रद्धा एवं प्रबल प्रेम था। सत्रह वर्ष की आयु में ये कोलकाता आ गए। कोलकाता आने के बाद इन्होंने मन ही मने संकल्प किया कि वे अपना जीवन केवल आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने में लगाएँगे। कोलकाता आने के थोड़े समय बाद ही ये कोलकाता के दक्षिणेश्वर स्थित मशहूर काली मंदिर के पुजारी बन गए। ये दिन-रात साधना में लीन रहते। दूर-दूर से लोग उनके दर्शन को आने लगे। इसी समय मुरु के रूप में इनको एक महान संत तोता राम जी मिले, जिनके सानिध्य में इन्हें देवी दर्शन एवं ज्ञान की प्राप्ति हुई। एक महान विचारक व उपदेशक के रूप में इन्होंने बहुत से लोगों को प्रेरित किया। रामकृष्ण परमहंस का महाप्रयाग 16 अगस्त 1866 को हुआ। इनके परम शिष्य परम तेजस्वी स्वामी विवेकानंद ने 'राम कृष्ण मिशन' की स्थापना की। विवेकानंद ने रामकृष्ण परमहंस के संदेशों का भारत तथा विश्व में अन्य देशों में प्रचार-प्रसार किया तथा विश्व पटल पर भारत को गौरवान्वित किया।

https://www.evidyarthi.in/